



Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W8LS17315	ImageGroup:	I8LS17331
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	ལེགས་པར་བཤད་པ་མཁས་པའི་མགུལ་རྒྱན་སྐབས་དང་པོའི་མཐའ་དཔྱད། legs par bshad pa mkhas pa'i mgul rgyan skabs dang po'i mtha' dpyod/
Author:	ངག་དབང་དགེ་འདུན་ལྷུ་གཤམ་གྱི་གྲགས་པ། ngag dbang dge 'dun zla grags
Descriptor:	block print edition
Original Publication:	n/a;n/a
Place:	[s.l.]
Publisher:	[s.n.]
Date:	[n.d.]
Volume:	1
Total Volumes:	1
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 1430 Massachusetts Ave, 5th Floor Cambridge, MA 02138. Comments: 02/2016

7

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[The following text appears to be bleed-through from the reverse side of the manuscript page. It contains several lines of handwritten Devanagari script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the manuscript page.]

1. 1844 3 2 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42 43 44 45 46 47 48 49 50 51 52 53 54 55 56 57 58 59 60 61 62 63 64 65 66 67 68 69 70 71 72 73 74 75 76 77 78 79 80 81 82 83 84 85 86 87 88 89 90 91 92 93 94 95 96 97 98 99 100 101 102 103 104 105 106 107 108 109 110 111 112 113 114 115 116 117 118 119 120 121 122 123 124 125 126 127 128 129 130 131 132 133 134 135 136 137 138 139 140 141 142 143 144 145 146 147 148 149 150 151 152 153 154 155 156 157 158 159 160 161 162 163 164 165 166 167 168 169 170 171 172 173 174 175 176 177 178 179 180 181 182 183 184 185 186 187 188 189 190 191 192 193 194 195 196 197 198 199 200 201 202 203 204 205 206 207 208 209 210 211 212 213 214 215 216 217 218 219 220 221 222 223 224 225 226 227 228 229 230 231 232 233 234 235 236 237 238 239 240 241 242 243 244 245 246 247 248 249 250 251 252 253 254 255 256 257 258 259 260 261 262 263 264 265 266 267 268 269 270 271 272 273 274 275 276 277 278 279 280 281 282 283 284 285 286 287 288 289 290 291 292 293 294 295 296 297 298 299 300 301 302 303 304 305 306 307 308 309 310 311 312 313 314 315 316 317 318 319 320 321 322 323 324 325 326 327 328 329 330 331 332 333 334 335 336 337 338 339 340 341 342 343 344 345 346 347 348 349 350 351 352 353 354 355 356 357 358 359 360 361 362 363 364 365 366 367 368 369 370 371 372 373 374 375 376 377 378 379 380 381 382 383 384 385 386 387 388 389 390 391 392 393 394 395 396 397 398 399 400 401 402 403 404 405 406 407 408 409 410 411 412 413 414 415 416 417 418 419 420 421 422 423 424 425 426 427 428 429 430 431 432 433 434 435 436 437 438 439 440 441 442 443 444 445 446 447 448 449 450 451 452 453 454 455 456 457 458 459 460 461 462 463 464 465 466 467 468 469 470 471 472 473 474 475 476 477 478 479 480 481 482 483 484 485 486 487 488 489 490 491 492 493 494 495 496 497 498 499 500 501 502 503 504 505 506 507 508 509 510 511 512 513 514 515 516 517 518 519 520 521 522 523 524 525 526 527 528 529 530 531 532 533 534 535 536 537 538 539 540 541 542 543 544 545 546 547 548 549 550 551 552 553 554 555 556 557 558 559 560 561 562 563 564 565 566 567 568 569 570 571 572 573 574 575 576 577 578 579 580 581 582 583 584 585 586 587 588 589 590 591 592 593 594 595 596 597 598 599 600 601 602 603 604 605 606 607 608 609 610 611 612 613 614 615 616 617 618 619 620 621 622 623 624 625 626 627 628 629 630 631 632 633 634 635 636 637 638 639 640 641 642 643 644 645 646 647 648 649 650 651 652 653 654 655 656 657 658 659 660 661 662 663 664 665 666 667 668 669 670 671 672 673 674 675 676 677 678 679 680 681 682 683 684 685 686 687 688 689 690 691 692 693 694 695 696 697 698 699 700 701 702 703 704 705 706 707 708 709 710 711 712 713 714 715 716 717 718 719 720 721 722 723 724 725 726 727 728 729 730 731 732 733 734 735 736 737 738 739 740 741 742 743 744 745 746 747 748 749 750 751 752 753 754 755 756 757 758 759 760 761 762 763 764 765 766 767 768 769 770 771 772 773 774 775 776 777 778 779 780 781 782 783 784 785 786 787 788 789 790 791 792 793 794 795 796 797 798 799 800 801 802 803 804 805 806 807 808 809 810 811 812 813 814 815 816 817 818 819 820 821 822 823 824 825 826 827 828 829 830 831 832 833 834 835 836 837 838 839 840 841 842 843 844 845 846 847 848 849 850 851 852 853 854 855 856 857 858 859 860 861 862 863 864 865 866 867 868 869 870 871 872 873 874 875 876 877 878 879 880 881 882 883 884 885 886 887 888 889 890 891 892 893 894 895 896 897 898 899 900 901 902 903 904 905 906 907 908 909 910 911 912 913 914 915 916 917 918 919 920 921 922 923 924 925 926 927 928 929 930 931 932 933 934 935 936 937 938 939 940 941 942 943 944 945 946 947 948 949 950 951 952 953 954 955 956 957 958 959 960 961 962 963 964 965 966 967 968 969 970 971 972 973 974 975 976 977 978 979 980 981 982 983 984 985 986 987 988 989 990 991 992 993 994 995 996 997 998 999 1000 1001 1002 1003 1004 1005 1006 1007 1008 1009 1010 1011 1012 1013 1014 1015 1016 1017 1018 1019 1020 1021 1022 1023 1024 1025 1026 1027 1028 1029 1030 1031 1032 1033 1034 1035 1036 1037 1038 10

[The image shows a single page from an ancient manuscript, likely written in Sanskrit or a related Indic script. The text is densely packed in horizontal lines across the page. There are several large, bold characters at the top, possibly serving as section headers or initial letters. The handwriting is cursive and characteristic of historical South Asian scripts. The paper appears aged and slightly discolored.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuation of the Sanskrit manuscript.]

[illegible]

३७
३८
३९
४०
४१
४२
४३
४४
४५
४६
४७
४८
४९
५०
५१
५२
५३
५४
५५
५६
५७
५८
५९
६०
६१
६२
६३
६४
६५
६६
६७
६८
६९
७०
७१
७२
७३
७४
७५
७६
७७
७८
७९
८०
८१
८२
८३
८४
८५
८६
८७
८८
८९
९०
९१
९२
९३
९४
९५
९६
९७
९८
९९
१००

[illegible]

[The image shows a page from an ancient manuscript with multiple columns of handwritten text in a cursive script. The text is written on aged paper with visible binding marks on the left edge. Due to the low resolution and blurriness of the scan, the specific words and characters are illegible.]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यत्किंचिदप्युच्यते तन्मात्रं श्रद्धापूर्वकं कर्तव्यम् ॥ अथ श्रीभक्तिसहितप्रज्ञापनसूत्रम् ॥
 प्रश्नः - भगवन् प्रज्ञापनसूत्रं किम् ॥
 उत्तरः - भगवन् प्रज्ञापनसूत्रं भगवत्प्रेमार्पणसूत्रम् ॥ यत्किंचिदप्युच्यते तन्मात्रं श्रद्धापूर्वकं कर्तव्यम् ॥
 प्रश्नः - भगवन् प्रज्ञापनसूत्रं किम् ॥
 उत्तरः - भगवन् प्रज्ञापनसूत्रं भगवत्प्रेमार्पणसूत्रम् ॥ यत्किंचिदप्युच्यते तन्मात्रं श्रद्धापूर्वकं कर्तव्यम् ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

१०१
१०२
१०३
१०४
१०५
१०६
१०७
१०८
१०९
११०
१११
११२
११३
११४
११५
११६
११७
११८
११९
१२०
१२१
१२२
१२३
१२४
१२५
१२६
१२७
१२८
१२९
१३०
१३१
१३२
१३३
१३४
१३५
१३६
१३७
१३८
१३९
१४०
१४१
१४२
१४३
१४४
१४५
१४६
१४७
१४८
१४९
१५०
१५१
१५२
१५३
१५४
१५५
१५६
१५७
१५८
१५९
१६०
१६१
१६२
१६३
१६४
१६५
१६६
१६७
१६८
१६९
१७०
१७१
१७२
१७३
१७४
१७५
१७६
१७७
१७८
१७९
१८०
१८१
१८२
१८३
१८४
१८५
१८६
१८७
१८८
१८९
१९०
१९१
१९२
१९३
१९४
१९५
१९६
१९७
१९८
१९९
२००

१०१। १०२। १०३। १०४। १०५। १०६। १०७। १०८। १०९। ११०। १११। ११२। ११३। ११४। ११५। ११६। ११७। ११८। ११९। १२०। १२१। १२२। १२३। १२४। १२५। १२६। १२७। १२८। १२९। १३०। १३१। १३२। १३३। १३४। १३५। १३६। १३७। १३८। १३९। १४०। १४१। १४२। १४३। १४४। १४५। १४६। १४७। १४८। १४९। १५०। १५१। १५२। १५३। १५४। १५५। १५६। १५७। १५८। १५९। १६०। १६१। १६२। १६३। १६४। १६५। १६६। १६७। १६८। १६९। १७०। १७१। १७२। १७३। १७४। १७५। १७६। १७७। १७८। १७९। १८०। १८१। १८२। १८३। १८४। १८५। १८६। १८७। १८८। १८९। १९०। १९१। १९२। १९३। १९४। १९५। १९६। १९७। १९८। १९९। २००।

[illegible]

61
19
20
21
22
23
24
25
26
27
28
29
30
31
32
33
34
35
36
37
38
39
40
41
42
43
44
45
46
47
48
49
50
51
52
53
54
55
56
57
58
59
60
61
62
63
64
65
66
67
68
69
70
71
72
73
74
75
76
77
78
79
80
81
82
83
84
85
86
87
88
89
90
91
92
93
94
95
96
97
98
99
100
101
102
103
104
105
106
107
108
109
110
111
112
113
114
115
116
117
118
119
120
121
122
123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200
201
202
203
204
205
206
207
208
209
210
211
212
213
214
215
216
217
218
219
220
221
222
223
224
225
226
227
228
229
230
231
232
233
234
235
236
237
238
239
240
241
242
243
244
245
246
247
248
249
250
251
252
253
254
255
256
257
258
259
260
261
262
263
264
265
266
267
268
269
270
271
272
273
274
275
276
277
278
279
280
281
282
283
284
285
286
287
288
289
290
291
292
293
294
295
296
297
298
299
300
301
302
303
304
305
306
307
308
309
310
311
312
313
314
315
316
317
318
319
320
321
322
323
324
325
326
327
328
329
330
331
332
333
334
335
336
337
338
339
340
341
342
343
344
345
346
347
348
349
350
351
352
353
354
355
356
357
358
359
360
361
362
363
364
365
366
367
368
369
370
371
372
373
374
375
376
377
378
379
380
381
382
383
384
385
386
387
388
389
390
391
392
393
394
395
396
397
398
399
400
401
402
403
404
405
406
407
408
409
410
411
412
413
414
415
416
417
418
419
420
421
422
423
424
425
426
427
428
429
430
431
432
433
434
435
436
437
438
439
440
441
442
443
444
445
446
447
448
449
450
451
452
453
454
455
456
457
458
459
460
461
462
463
464
465
466
467
468
469
470
471
472
473
474
475
476
477
478
479
480
481
482
483
484
485
486
487
488
489
490
491
492
493
494
495
496
497
498
499
500
501
502
503
504
505
506
507
508
509
510
511
512
513
514
515
516
517
518
519
520
521
522
523
524
525
526
527
528
529
530
531
532
533
534
535
536
537
538
539
540
541
542
543
544
545
546
547
548
549
550
551
552
553
554
555
556
557
558
559
560
561
562
563
564
565
566
567
568
569
570
571
572
573
574
575
576
577
578
579
580
581
582
583
584
585
586
587
588
589
590
591
592
593
594
595
596
597
598
599
600
601
602
603
604
605
606
607
608
609
610
611
612
613
614
615
616
617
618
619
620
621
622
623
624
625
626
627
628
629
630
631
632
633
634
635
636
637
638
639
640
641
642
643
644
645
646
647
648
649
650
651
652
653
654
655
656
657
658
659
660
661
662
663
664
665
666
667
668
669
670
671
672
673
674
675
676
677
678
679
680
681
682
683
684
685
686
687
688
689
690
691
692
693
694
695
696
697
698
699
700
701
702
703
704
705
706
707
708
709
710
711
712
713
714
715
716
717
718
719
720
721
722
723
724
725
726
727
728
729
730
731
732
733
734
735
736
737
738
739
740
741
742
743
744
745
746
747
748
749
750
751
752
753
754
755
756
757
758
759
760
761
762
763
764
765
766
767
768
769
770
771
772
773
774
775
776
777
778
779
780
781
782
783
784
785
786
787
788
789
790
791
792
793
794
795
796
797
798
799
800
801
802
803
804
805
806
807
808
809
810
811
812
813
814
815
816
817
818
819
820
821
822
823
824
825
826
827
828
829
830
831
832
833
834
835
836
837
838
839
840
841
842
843
844
845
846
847
848
849
850
851
852
8

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side.]

[illegible]

[illegible]

गणेशाय नमः

107

[illegible]

[illegible]

[illegible]

21

[illegible]

[The following text is highly degraded and mostly illegible due to severe blurring and noise.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from the reverse side.)

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥

[illegible]

31

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuation of a liturgical or philosophical treatise.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

127
[The text in this block is extremely faint and largely illegible. It appears to be a single line of handwritten text in a historical script, possibly Devanagari or a related Indic script. The characters are dark but the ink is very faded, making them difficult to decipher. The text is written horizontally across the page.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्ब्रह्मविद्यायां युधिष्ठिर उपाध्याय ॥
कुरुक्षेत्रे समवेता मुनीनां शृणु त्वान्नमस्कृत्य ॥
तदात्मानं विसृज्य मामकाः धर्ममाश्रित्य ॥
उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ सौमन्त्रियं कुरुक्षेत्रे
प्रवक्तुं प्रसीद मे ॥ १ ॥

[illegible]

[The following text is highly degraded and largely illegible due to extreme blurring and noise. It appears to be a continuous passage of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
 श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः मामकाः पाण्डवाश्चैतानि ॥
 तदा द्रुपद उवाच । दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्राणामाचारं
 बभूवुर्धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता ॥
 युयुत्सवः पाण्डवाश्चैतानि सहा द्रुपद उवाच ॥
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्राणामाचारं बभूवुर्धर्मक्षेत्रे
 कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः पाण्डवाश्चैतानि ॥
 सहा द्रुपद उवाच । दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्राणामाचारं
 बभूवुर्धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
 पाण्डवाश्चैतानि सहा द्रुपद उवाच ॥ दृष्ट्वा तु
 पाण्डुपुत्राणामाचारं बभूवुर्धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुत्सवः पाण्डवाश्चैतानि सहा द्रुपद
 उवाच ॥ दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्राणामाचारं बभूवुर्धर्मक्षेत्रे
 कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः पाण्डवाश्चैतानि सहा

100
101
102
103
104
105
106
107
108
109
110
111
112
113
114
115
116
117
118
119
120
121
122
123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200

100 101 102 103 104 105 106 107 108 109 110 111 112 113 114 115 116 117 118 119 120 121 122 123 124 125 126 127 128 129 130 131 132 133 134 135 136 137 138 139 140 141 142 143 144 145 146 147 148 149 150 151 152 153 154 155 156 157 158 159 160 161 162 163 164 165 166 167 168 169 170 171 172 173 174 175 176 177 178 179 180 181 182 183 184 185 186 187 188 189 190 191 192 193 194 195 196 197 198 199 200

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from another page.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[Faint handwritten text at the bottom of the page, likely bleed-through from the reverse side.]

[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

[The following text is highly faded and illegible due to extreme blur and low contrast.]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे युद्धं श्रुत्वा अर्जुनः प्रह्लादं उवाच ॥
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्राणामाचारं बभूवुः पराक्रमं
 विचार्य हृदि सन्निविष्टो यत्किञ्चित्करिष्यते ॥
 तदा धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः
 मामकाः पाण्डुपुत्राश्चैव किमकुर्वत संजय ॥
 साधुना त्वमेवं वीर क्षत्रीयं ब्रवीष्यसे मया ॥
 सुश्रुत्वा ते वचनं धर्मराजः प्रसीदत आत्मनः ॥
 तदा कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसो वीरपाण्डवः ॥
 सहैव तान्समाकुरुष्व कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसाः ॥
 इति श्रीमद्भगवद्गीतायाः अष्टमोऽध्यायः समाप्तः ॥

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page. It appears to contain several lines of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

177
[Illegible handwritten text]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
काँश्चित्माया दृष्टवान्ह्यहं पापं दधामि ह । तस्मात्प्रसादात्पश्ये मम मनसा देवो मेरादृशम् ।
तच्छूनामनुजैरपि विलक्षणैर्विद्यमानैश्चरैः ।
विभक्तैस्तथा शरीरेष्वर्जुन यन्मया द्रुपद उवाच ।
अत्र द्रुपद उवाच । अत्र द्रुपद उवाच । अत्र द्रुपद उवाच ।

[illegible]

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥
 द्रुपदमुनिर्वाक्यं ब्रूयात्तत्र तदा ॥
 कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः ॥
 कौरवपांडवौ च परमात्मनो ॥
 ज्ञानाभ्यासयोगैस्तथैव चराचरम् ॥
 सर्वं भूयस्त्वया धर्ममेवं वदीश्वर ॥
 शृणु मे पुरोधसा संक्षिप्तवदना ॥
 ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां द्रुपद उवाच ॥
 ॥ १ ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥ १ ॥
अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ॥ २ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिप्रिय ! त्वत्पुत्रः
द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव
कीर्यमाना विराट्भूयः ॥ ३ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद ! त्वत्पुत्रः ॥ ४ ॥
अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ॥ ५ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद ! त्वत्पुत्रः ॥ ६ ॥
अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ॥ ७ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद ! त्वत्पुत्रः ॥ ८ ॥
अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ॥ ९ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद ! त्वत्पुत्रः ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

[illegible]

12
13
14
15
16
17
18
19
20
21
22
23
24
25
26
27
28
29
30
31
32
33
34
35
36
37
38
39
40
41
42
43
44
45
46
47
48
49
50
51
52
53
54
55
56
57
58
59
60
61
62
63
64
65
66
67
68
69
70
71
72
73
74
75
76
77
78
79
80
81
82
83
84
85
86
87
88
89
90
91
92
93
94
95
96
97
98
99
100

12
13
14
15
16
17
18
19
20
21
22
23
24
25
26
27
28
29
30
31
32
33
34
35
36
37
38
39
40
41
42
43
44
45
46
47
48
49
50
51
52
53
54
55
56
57
58
59
60
61
62
63
64
65
66
67
68
69
70
71
72
73
74
75
76
77
78
79
80
81
82
83
84
85
86
87
88
89
90
91
92
93
94
95
96
97
98
99
100

१७७
 १७८
 १७९
 १८०
 १८१
 १८२
 १८३
 १८४
 १८५
 १८६
 १८७
 १८८
 १८९
 १९०
 १९१
 १९२
 १९३
 १९४
 १९५
 १९६
 १९७
 १९८
 १९९
 २००

१७७
 १७८
 १७९
 १८०
 १८१
 १८२
 १८३
 १८४
 १८५
 १८६
 १८७
 १८८
 १८९
 १९०
 १९१
 १९२
 १९३
 १९४
 १९५
 १९६
 १९७
 १९८
 १९९
 २००

[The text in this block is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from the reverse side. It appears to consist of several lines of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme blurring and low contrast. It appears to be a dense paragraph of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly degraded and largely illegible due to extreme blurring and noise.]

[The following text is highly faded and illegible due to extreme blur and low contrast. It appears to be a dense handwritten passage in Devanagari script.]

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a dark ink on aged paper and is organized into several lines. The script is highly stylized and difficult to decipher without specialized knowledge of the language. The document appears to be a formal record or a legal document, given the structured layout and the use of capital letters at the beginning of some lines. The text is written in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a dark ink on aged paper and is organized into several lines. The script is highly stylized and difficult to decipher without specialized knowledge of the language. The document appears to be a formal record or a legal document, given the structured layout and the use of capital letters at the beginning of some lines.

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or damage.]

[illegible]

[The following text is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

23

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

15

॥ अथ श्रीगणेशोक्तम् ॥

[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side.]

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

(Faint handwritten Tibetan script)

[illegible]

१। त्रुवपयसुके वरिपुनरदरा मणदवमपदेकपयः ॥ २॥ ३॥ ४॥ ५॥ ६॥ ७॥ ८॥ ९॥ १०॥ ११॥ १२॥ १३॥ १४॥ १५॥ १६॥ १७॥ १८॥ १९॥ २०॥ २१॥ २२॥ २३॥ २४॥ २५॥ २६॥ २७॥ २८॥ २९॥ ३०॥ ३१॥ ३२॥ ३३॥ ३४॥ ३५॥ ३६॥ ३७॥ ३८॥ ३९॥ ४०॥ ४१॥ ४२॥ ४३॥ ४४॥ ४५॥ ४६॥ ४७॥ ४८॥ ४९॥ ५०॥ ५१॥ ५२॥ ५३॥ ५४॥ ५५॥ ५६॥ ५७॥ ५८॥ ५९॥ ६०॥ ६१॥ ६२॥ ६३॥ ६४॥ ६५॥ ६६॥ ६७॥ ६८॥ ६९॥ ७०॥ ७१॥ ७२॥ ७३॥ ७४॥ ७५॥ ७६॥ ७७॥ ७८॥ ७९॥ ८०॥ ८१॥ ८२॥ ८३॥ ८४॥ ८५॥ ८६॥ ८७॥ ८८॥ ८९॥ ९०॥ ९१॥ ९२॥ ९३॥ ९४॥ ९५॥ ९६॥ ९७॥ ९८॥ ९९॥ १००॥

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme fading or damage to the original document.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीभक्तिसहितप्रबोधनसंस्कृतस्य प्रथमोऽध्यायः समाप्तः ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

√√

521

५२
 ५३
 ५४
 ५५
 ५६
 ५७
 ५८
 ५९
 ६०
 ६१
 ६२
 ६३
 ६४
 ६५
 ६६
 ६७
 ६८
 ६९
 ७०
 ७१
 ७२
 ७३
 ७४
 ७५
 ७६
 ७७
 ७८
 ७९
 ८०
 ८१
 ८२
 ८३
 ८४
 ८५
 ८६
 ८७
 ८८
 ८९
 ९०
 ९१
 ९२
 ९३
 ९४
 ९५
 ९६
 ९७
 ९८
 ९९
 १००

[illegible]

Handwritten text in the left margin, possibly a page number or reference.

Handwritten text in the main body of the manuscript, consisting of several lines of script.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ १ ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥
 १ ॥

[illegible]

[illegible]

267

[illegible]

[illegible]

[illegible]

五言古詩

[illegible]

[The following text is extremely faint and illegible due to extreme blur and low contrast.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

३६१

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is highly degraded and mostly illegible due to extreme blurring and noise.)

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuation of the handwritten manuscript from the previous page.]

[The following text is extremely faint and illegible due to extreme blurriness.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवासे श्रद्धाध्यायः समाप्तः ॥

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रोत्तमायुधं धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता संजनाः संयुताः समानमवासीत विमनाः ॥ २ ॥
 तदा कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः कुरुक्षेत्रे
 समवेता संजनाः संयुताः समानमवासीत विमनाः ॥ ३ ॥
 तदा कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः कुरुक्षेत्रे
 समवेता संजनाः संयुताः समानमवासीत विमनाः ॥ ४ ॥
 तदा कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः कुरुक्षेत्रे
 समवेता संजनाः संयुताः समानमवासीत विमनाः ॥ ५ ॥
 तदा कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः कुरुक्षेत्रे
 समवेता संजनाः संयुताः समानमवासीत विमनाः ॥ ६ ॥
 तदा कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः कुरुक्षेत्रे
 समवेता संजनाः संयुताः समानमवासीत विमनाः ॥ ७ ॥
 तदा कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः कुरुक्षेत्रे
 समवेता संजनाः संयुताः समानमवासीत विमनाः ॥ ८ ॥
 तदा कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः कुरुक्षेत्रे
 समवेता संजनाः संयुताः समानमवासीत विमनाः ॥ ९ ॥
 तदा कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः कुरुक्षेत्रे
 समवेता संजनाः संयुताः समानमवासीत विमनाः ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme fading or damage to the original document.]

15

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः
काँश्चिद्दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पाण्डुपुत्रो वीर्यवान्
उवाच । द्रुपद उवाच । अहो भूतार्जुन ! त्वया पाण्डुपुत्रो
द्रुपद उवाच । अहो भूतार्जुन ! त्वया पाण्डुपुत्रो

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 देवयानं कुरु भुवना ॥ २ ॥
 देवयानं कुरु भुवना ॥ ३ ॥
 देवयानं कुरु भुवना ॥ ४ ॥
 देवयानं कुरु भुवना ॥ ५ ॥
 देवयानं कुरु भुवना ॥ ६ ॥
 देवयानं कुरु भुवना ॥ ७ ॥
 देवयानं कुरु भुवना ॥ ८ ॥
 देवयानं कुरु भुवना ॥ ९ ॥
 देवयानं कुरु भुवना ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from the reverse side. It appears to contain several lines of handwritten script.]

१५
 १६
 १७
 १८
 १९
 २०
 २१
 २२
 २३
 २४
 २५
 २६
 २७
 २८
 २९
 ३०
 ३१
 ३२
 ३३
 ३४
 ३५
 ३६
 ३७
 ३८
 ३९
 ४०
 ४१
 ४२
 ४३
 ४४
 ४५
 ४६
 ४७
 ४८
 ४९
 ५०
 ५१
 ५२
 ५३
 ५४
 ५५
 ५६
 ५७
 ५८
 ५९
 ६०
 ६१
 ६२
 ६३
 ६४
 ६५
 ६६
 ६७
 ६८
 ६९
 ७०
 ७१
 ७२
 ७३
 ७४
 ७५
 ७६
 ७७
 ७८
 ७९
 ८०
 ८१
 ८२
 ८३
 ८४
 ८५
 ८६
 ८७
 ८८
 ८९
 ९०
 ९१
 ९२
 ९३
 ९४
 ९५
 ९६
 ९७
 ९८
 ९९
 १००

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is dense and appears to be a form of Sanskrit or a related classical language. The ink is dark, and the paper shows signs of age and wear. The text is written in a cursive style, with some characters being more prominent than others. The overall appearance is that of a historical document or a religious text.

३२५
 ३२६
 ३२७
 ३२८
 ३२९
 ३३०
 ३३१
 ३३२
 ३३३
 ३३४
 ३३५
 ३३६
 ३३७
 ३३८
 ३३९
 ३४०
 ३४१
 ३४२
 ३४३
 ३४४
 ३४५
 ३४६
 ३४७
 ३४८
 ३४९
 ३५०
 ३५१
 ३५२
 ३५३
 ३५४
 ३५५
 ३५६
 ३५७
 ३५८
 ३५९
 ३६०
 ३६१
 ३६२
 ३६३
 ३६४
 ३६५
 ३६६
 ३६७
 ३६८
 ३६९
 ३७०
 ३७१
 ३७२
 ३७३
 ३७४
 ३७५
 ३७६
 ३७७
 ३७८
 ३७९
 ३८०
 ३८१
 ३८२
 ३८३
 ३८४
 ३८५
 ३८६
 ३८७
 ३८८
 ३८९
 ३९०
 ३९१
 ३९२
 ३९३
 ३९४
 ३९५
 ३९६
 ३९७
 ३९८
 ३९९
 ४००

[The text in this image is extremely faint and largely illegible due to fading or damage.]

[The image shows a page from an ancient manuscript with dense handwritten text in Devanagari script. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines across the page. Due to the low resolution and blurriness of the scan, the specific words and characters are illegible. The ink appears dark on a light-colored background.]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme blurring and low contrast. It appears to be a continuous passage of handwritten text.]

Handwritten marginal notes on the left side of the page.

Main body of handwritten text in Devanagari script, consisting of several lines of dense, cursive writing.

[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

22

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page.]

॥ १ ॥ अथ कुरुक्षेत्रे महापराक्रमोऽभवत् । तदा दुर्योधन उवाच ।
 ॥ २ ॥ धर्मं त्यज्यते नृणां धर्मस्तथा हि पातकम् ।
 ॥ ३ ॥ धर्मं त्यज्यते नृणां धर्मस्तथा हि पातकम् ।
 ॥ ४ ॥ धर्मं त्यज्यते नृणां धर्मस्तथा हि पातकम् ।
 ॥ ५ ॥ धर्मं त्यज्यते नृणां धर्मस्तथा हि पातकम् ।
 ॥ ६ ॥ धर्मं त्यज्यते नृणां धर्मस्तथा हि पातकम् ।
 ॥ ७ ॥ धर्मं त्यज्यते नृणां धर्मस्तथा हि पातकम् ।
 ॥ ८ ॥ धर्मं त्यज्यते नृणां धर्मस्तथा हि पातकम् ।
 ॥ ९ ॥ धर्मं त्यज्यते नृणां धर्मस्तथा हि पातकम् ।
 ॥ १० ॥ धर्मं त्यज्यते नृणां धर्मस्तथा हि पातकम् ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faint and illegible due to poor scan quality. It appears to be a dense block of handwritten or printed script.]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuation of a religious or philosophical treatise.]

१०८
 १०९
 ११०
 १११
 ११२
 ११३
 ११४
 ११५
 ११६
 ११७
 ११८
 ११९
 १२०
 १२१
 १२२
 १२३
 १२४
 १२५
 १२६
 १२७
 १२८
 १२९
 १३०
 १३१
 १३२
 १३३
 १३४
 १३५
 १३६
 १३७
 १३८
 १३९
 १४०
 १४१
 १४२
 १४३
 १४४
 १४५
 १४६
 १४७
 १४८
 १४९
 १५०
 १५१
 १५२
 १५३
 १५४
 १५५
 १५६
 १५७
 १५८
 १५९
 १६०
 १६१
 १६२
 १६३
 १६४
 १६५
 १६६
 १६७
 १६८
 १६९
 १७०
 १७१
 १७२
 १७३
 १७४
 १७५
 १७६
 १७७
 १७८
 १७९
 १८०
 १८१
 १८२
 १८३
 १८४
 १८५
 १८६
 १८७
 १८८
 १८९
 १९०
 १९१
 १९२
 १९३
 १९४
 १९५
 १९६
 १९७
 १९८
 १९९
 २००

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page. It appears to be a continuation of the handwritten notes or a separate entry.]

Handwritten marginal notes on the left side of the page.

Handwritten text in a historical script, likely Tibetan, arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is dense and cursive, with some characters appearing to be in a different script or dialect. The text is written on aged, slightly discolored paper.

[The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme blur and low contrast. It appears to be handwritten script in Devanagari or a similar Indic script.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
 अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ।
 द्रुपद उवाच ।
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः पांडवश्च दुर्जनस्य
 विराटः । ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme fading or damage to the original document.]

[illegible]

21

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच ।
 द्रुपदमुनिर्वाक्यं ब्रूयात्तस्मात्तु त्वम् ।
 यत्किञ्चित्करिष्यामीति चेन्न ह्यशङ्कम् ।
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ।
 मामकाः पांडवाश्चैव किमकुर्वत सजीव ।
 बाहो भवतस्त्वयोन्माद्यः प्रसीद मे समाधि-
 तः । ॥ १ ॥

[The text in this block is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[The text in this block is extremely faded and illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuation of the handwritten script from the previous block.]

93

[illegible]

193

[illegible]

[illegible]

Percentage of population aged 65 and over

Year	Percentage of population aged 65 and over
1950	7
1960	10
1970	12
1980	14
1990	16
2000	17
2010	17.5
2020	18
2030	18.5
2040	19
2050	19.5

22

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

11

10

卷之四

9

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

279

[illegible]

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

274 p. 3334

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥ अध्यायः प्रथमः ॥ अर्जुनसंवादे ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्ब्रह्मविद्यायां
 कृष्णार्जुनसंवाते ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[Faint handwritten Devanagari script]

[illegible][illegible]

[illegible]

382
383
384
385
386
387
388
389
390
391
392
393
394
395
396
397
398
399
400
401
402
403
404
405
406
407
408
409
410
411
412
413
414
415
416
417
418
419
420
421
422
423
424
425
426
427
428
429
430
431
432
433
434
435
436
437
438
439
440
441
442
443
444
445
446
447
448
449
450
451
452
453
454
455
456
457
458
459
460
461
462
463
464
465
466
467
468
469
470
471
472
473
474
475
476
477
478
479
480
481
482
483
484
485
486
487
488
489
490
491
492
493
494
495
496
497
498
499
500
501
502
503
504
505
506
507
508
509
510
511
512
513
514
515
516
517
518
519
520
521
522
523
524
525
526
527
528
529
530
531
532
533
534
535
536
537
538
539
540
541
542
543
544
545
546
547
548
549
550
551
552
553
554
555
556
557
558
559
560
561
562
563
564
565
566
567
568
569
570
571
572
573
574
575
576
577
578
579
580
581
582
583
584
585
586
587
588
589
590
591
592
593
594
595
596
597
598
599
600
601
602
603
604
605
606
607
608
609
610
611
612
613
614
615
616
617
618
619
620
621
622
623
624
625
626
627
628
629
630
631
632
633
634
635
636
637
638
639
640
641
642
643
644
645
646
647
648
649
650
651
652
653
654
655
656
657
658
659
660
661
662
663
664
665
666
667
668
669
670
671
672
673
674
675
676
677
678
679
680
681
682
683
684
685
686
687
688
689
690
691
692
693
694
695
696
697
698
699
700
701
702
703
704
705
706
707
708
709
710
711
712
713
714
715
716
717
718
719
720
721
722
723
724
725
726
727
728
729
730
731
732
733
734
735
736
737
738
739
740
741
742
743
744
745
746
747
748
749
750
751
752
753
754
755
756
757
758
759
760
761
762
763
764
765
766
767
768
769
770
771
772
773
774
775
776
777
778
779
780
781
782
783
784
785
786
787
788
789
790
791
792
793
794
795
796
797
798
799
800
801
802
803
804
805
806
807
808
809
810
811
812
813
814
815
816
817
818
819
820
821
822
823
824
825
826
827
828
829
830
831
832
833
834
835
836
837
838
839
840
841
842
843
844
845
846
847
848
849
850
851
852
853
854
855
856
857
858
859
860
861
862
863
864
865
866
867
868
869
870
871
872
873
874
875
876
877
878
879
880
881
882
883
884
885
886
887
888
889
890
891
892
893
894
895
896
897
898
899
900
901
902
903
904
905
906
907
908
909
910
911
912
913
914
915
916
917
918
919
920
921
922
923
924
925
926
927
928
929
930
931
932
933
934
935
936
937
938
939
940
941
942
943
944
945
946
947
948
949
950
951
952
953
954
955
956
957
958
959
960
961
962
963
964
965
966
967
968
969
970
971
972
973
974
975
976
977
978
979
980
981
982
983
984
985
986
987
988
989
990
991
992
993
994
995
996
997
998
999
1000

三

卷之五

[illegible]

5

[illegible]

[illegible]

१०३
 १०४
 १०५
 १०६
 १०७
 १०८
 १०९
 ११०
 १११
 ११२
 ११३
 ११४
 ११५
 ११६
 ११७
 ११८
 ११९
 १२०
 १२१
 १२२
 १२३
 १२४
 १२५
 १२६
 १२७
 १२८
 १२९
 १३०
 १३१
 १३२
 १३३
 १३४
 १३५
 १३६
 १३७
 १३८
 १३९
 १४०
 १४१
 १४२
 १४३
 १४४
 १४५
 १४६
 १४७
 १४८
 १४९
 १५०
 १५१
 १५२
 १५३
 १५४
 १५५
 १५६
 १५७
 १५८
 १५९
 १६०
 १६१
 १६२
 १६३
 १६४
 १६५
 १६६
 १६७
 १६८
 १६९
 १७०
 १७१
 १७२
 १७३
 १७४
 १७५
 १७६
 १७७
 १७८
 १७९
 १८०
 १८१
 १८२
 १८३
 १८४
 १८५
 १८६
 १८७
 १८८
 १८९
 १९०
 १९१
 १९२
 १९३
 १९४
 १९५
 १९६
 १९७
 १९८
 १९९
 २००

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥ १ ॥ अर्जुन उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ २ ॥ सांजय उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

267

[illegible]

395

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from another page.]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

四二一〇

407

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1711

343

[illegible]

415

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and mostly illegible due to low contrast and blurring.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(Faint handwritten text in Devanagari script)

[The following text is highly illegible due to extreme blurring and low resolution.]

231

1954

गणेशाय नमः

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीरामचंद्राय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीबालायाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[Faint handwritten text at the bottom of the page]

[Faint handwritten text at the bottom of the page]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

—

... ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ...

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[Illegible handwritten text]



विष्णुसहस्रनाम

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

...

सकल जगत्पति श्रीगणेशाय नमः

५३५ गुणवत्पदस्य

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[Faint handwritten text at the bottom of the page]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

439

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or damage.]

[illegible]

[illegible]

441

(The following text is highly degraded and mostly illegible due to severe blurring and noise. It appears to contain multiple lines of handwritten script.)

55

卷之四

[illegible]

॥ अथ परमवृत्त ईश्वरस्य पञ्चव्याख्यानं ॥

[illegible]

(Faint handwritten text at the bottom of the page)

[illegible]

[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]

10

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

55

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

459

[illegible]

377
38
39
40
41
42
43
44
45
46
47
48
49
50
51
52
53
54
55
56
57
58
59
60
61
62
63
64
65
66
67
68
69
70
71
72
73
74
75
76
77
78
79
80
81
82
83
84
85
86
87
88
89
90
91
92
93
94
95
96
97
98
99
100
101
102
103
104
105
106
107
108
109
110
111
112
113
114
115
116
117
118
119
120
121
122
123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200
201
202
203
204
205
206
207
208
209
210
211
212
213
214
215
216
217
218
219
220
221
222
223
224
225
226
227
228
229
230
231
232
233
234
235
236
237
238
239
240
241
242
243
244
245
246
247
248
249
250
251
252
253
254
255
256
257
258
259
260
261
262
263
264
265
266
267
268
269
270
271
272
273
274
275
276
277
278
279
280
281
282
283
284
285
286
287
288
289
290
291
292
293
294
295
296
297
298
299
300
301
302
303
304
305
306
307
308
309
310
311
312
313
314
315
316
317
318
319
320
321
322
323
324
325
326
327
328
329
330
331
332
333
334
335
336
337
338
339
340
341
342
343
344
345
346
347
348
349
350
351
352
353
354
355
356
357
358
359
360
361
362
363
364
365
366
367
368
369
370
371
372
373
374
375
376
377
378
379
380
381
382
383
384
385
386
387
388
389
390
391
392
393
394
395
396
397
398
399
400
401
402
403
404
405
406
407
408
409
410
411
412
413
414
415
416
417
418
419
420
421
422
423
424
425
426
427
428
429
430
431
432
433
434
435
436
437
438
439
440
441
442
443
444
445
446
447
448
449
450
451
452
453
454
455
456
457
458
459
460
461
462
463
464
465
466
467
468
469
470
471
472
473
474
475
476
477
478
479
480
481
482
483
484
485
486
487
488
489
490
491
492
493
494
495
496
497
498
499
500
501
502
503
504
505
506
507
508
509
510
511
512
513
514
515
516
517
518
519
520
521
522
523
524
525
526
527
528
529
530
531
532
533
534
535
536
537
538
539
540
541
542
543
544
545
546
547
548
549
550
551
552
553
554
555
556
557
558
559
560
561
562
563
564
565
566
567
568
569
570
571
572
573
574
575
576
577
578
579
580
581
582
583
584
585
586
587
588
589
590
591
592
593
594
595
596
597
598
599
600
601
602
603
604
605
606
607
608
609
610
611
612
613
614
615
616
617
618
619
620
621
622
623
624
625
626
627
628
629
630
631
632
633
634
635
636
637
638
639
640
641
642
643
644
645
646
647
648
649
650
651
652
653
654
655
656
657
658
659
660
661
662
663
664
665
666
667
668
669
670
671
672
673
674
675
676
677
678
679
680
681
682
683
684
685
686
687
688
689
690
691
692
693
694
695
696
697
698
699
700
701
702
703
704
705
706
707
708
709
710
711
712
713
714
715
716
717
718
719
720
721
722
723
724
725
726
727
728
729
730
731
732
733
734
735
736
737
738
739
740
741
742
743
744
745
746
747
748
749
750
751
752
753
754
755
756
757
758
759
760
761
762
763
764
765
766
767
768
769
770
771
772
773
774
775
776
777
778
779
780
781
782
783
784
785
786
787
788
789
790
791
792
793
794
795
796
797
798
799
800
801
802
803
804
805
806
807
808
809
810
811
812
813
814
815
816
817
818
819
820
821
822
823
824
825
826
827
828
829
830
831
832
833
834
835
836
837
838
839
840
841
842
843
844
845
846
847
848
849
850
851
852
853
854
855
856
857
858
859
860
861
862
8

281. 1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 843. 844. 845. 846. 847. 848. 849. 850. 851. 852. 853. 854. 855. 856. 857. 858. 859. 860. 861. 862. 863. 864. 865. 866. 867. 868. 869. 870. 871. 872. 873. 874. 875. 876. 877. 878. 879. 880. 881. 882. 883. 884. 885. 886. 887. 888. 889. 890. 891. 892. 893. 894. 895. 896. 897. 898. 899. 900. 901. 902. 903. 904. 905. 906. 907. 908. 909. 910. 911. 912. 913. 914. 915. 916. 917. 918. 919. 920. 921. 922. 923. 924. 925. 926. 927. 928. 929. 930. 931. 932. 933. 934. 935. 936. 937. 938. 939. 940. 941. 942. 943. 944. 945. 946. 947. 948. 949. 950. 951. 952. 953. 954. 955. 956. 957. 958. 959. 960. 961. 962. 963. 964. 965. 966. 967. 968. 969. 970. 971. 972. 973. 974. 975. 976. 977. 978. 979. 980. 981. 982. 983. 984. 985. 986. 987. 988. 989. 990. 991. 992. 993. 994. 995. 996. 997. 998. 999. 1000.

197
 198
 199
 200

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Handwritten marginal notes in Devanagari script, likely identifying the text or providing commentary.

Main body of handwritten text in Devanagari script, consisting of approximately 10 lines of dense, cursive script. The text appears to be a religious or philosophical treatise, possibly related to the Bhagavad Gita or a similar text, given the use of terms like 'महाराज' (Maharaja) and 'महाराज' (Maharaja).

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

[illegible]

[illegible][illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the manuscript page.]

[The image shows a page from an ancient manuscript with dense handwritten text in Devanagari script. The text is written in black ink on aged, yellowish paper. There are several lines of text, some of which are crossed out or heavily faded. The handwriting is cursive and typical of historical Indian manuscripts.]

629

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ।

[illegible]

(Faint handwritten text at the bottom of the page)

[illegible]

483

५४५५

[illegible]

[illegible]

255 1/2

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

7

1595

॥ अथ विष्णुसहस्रनाम ॥

[illegible]

संस्कृत - अष्टाध्यायी

॥ २ ॥ ऊष्णपारिद्विजलेन सौम्यं प्रोक्तं ॥

[illegible]

६। साकेतसंस्कृतविद्यालयः। मु०।

[illegible]

विष्णुः कुरुते ॥ अथ विष्णुः कुरुते ॥ अथ विष्णुः कुरुते ॥ अथ विष्णुः कुरुते ॥ अथ विष्णुः कुरुते ॥

सुखासुखेव सुखेन परमाय स्वात्मैव कथं पविष्यस्युः परमाय स्वात्मैव कथं पविष्यस्युः

विषयसूचिका

[illegible]

परमपुत्र ॥ श्रीगुरुदेवस्य शिष्यः ॥

महोदयः श्रीगुरुदेवः

[illegible]

सपययः

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीनारायणाय नमः ॥ श्रीव्यासाय नमः ॥ श्रीभगवाते नमः ॥

७।
शुश्रावा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ १०८ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

(Faint handwritten text in Devanagari script)

॥ २४ ॥ निवर्त्तयन्त्येवमप्युपपन्नं तद्विपर्ययं तद्विपर्ययं तद्विपर्ययं तद्विपर्ययं ॥

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme fading or blurring.]

७२। विष्णुसंस्कृतं कुर्वन्ति चरन्त्यथ यथा ॥ १ ॥ विष्णुसंस्कृतं कुर्वन्ति चरन्त्यथ यथा ॥ १ ॥ विष्णुसंस्कृतं कुर्वन्ति चरन्त्यथ यथा ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme fading or bleed-through from another page.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

615
20
21
22
23
24
25
26
27
28
29
30
31
32
33
34
35
36
37
38
39
40
41
42
43
44
45
46
47
48
49
50
51
52
53
54
55
56
57
58
59
60
61
62
63
64
65
66
67
68
69
70
71
72
73
74
75
76
77
78
79
80
81
82
83
84
85
86
87
88
89
90
91
92
93
94
95
96
97
98
99
100
101
102
103
104
105
106
107
108
109
110
111
112
113
114
115
116
117
118
119
120
121
122
123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200
201
202
203
204
205
206
207
208
209
210
211
212
213
214
215
216
217
218
219
220
221
222
223
224
225
226
227
228
229
230
231
232
233
234
235
236
237
238
239
240
241
242
243
244
245
246
247
248
249
250
251
252
253
254
255
256
257
258
259
260
261
262
263
264
265
266
267
268
269
270
271
272
273
274
275
276
277
278
279
280
281
282
283
284
285
286
287
288
289
290
291
292
293
294
295
296
297
298
299
300
301
302
303
304
305
306
307
308
309
310
311
312
313
314
315
316
317
318
319
320
321
322
323
324
325
326
327
328
329
330
331
332
333
334
335
336
337
338
339
340
341
342
343
344
345
346
347
348
349
350
351
352
353
354
355
356
357
358
359
360
361
362
363
364
365
366
367
368
369
370
371
372
373
374
375
376
377
378
379
380
381
382
383
384
385
386
387
388
389
390
391
392
393
394
395
396
397
398
399
400
401
402
403
404
405
406
407
408
409
410
411
412
413
414
415
416
417
418
419
420
421
422
423
424
425
426
427
428
429
430
431
432
433
434
435
436
437
438
439
440
441
442
443
444
445
446
447
448
449
450
451
452
453
454
455
456
457
458
459
460
461
462
463
464
465
466
467
468
469
470
471
472
473
474
475
476
477
478
479
480
481
482
483
484
485
486
487
488
489
490
491
492
493
494
495
496
497
498
499
500
501
502
503
504
505
506
507
508
509
510
511
512
513
514
515
516
517
518
519
520
521
522
523
524
525
526
527
528
529
530
531
532
533
534
535
536
537
538
539
540
541
542
543
544
545
546
547
548
549
550
551
552
553
554
555
556
557
558
559
560
561
562
563
564
565
566
567
568
569
570
571
572
573
574
575
576
577
578
579
580
581
582
583
584
585
586
587
588
589
590
591
592
593
594
595
596
597
598
599
600
601
602
603
604
605
606
607
608
609
610
611
612
613
614
615
616
617
618
619
620
621
622
623
624
625
626
627
628
629
630
631
632
633
634
635
636
637
638
639
640
641
642
643
644
645
646
647
648
649
650
651
652
653
654
655
656
657
658
659
660
661
662
663
664
665
666
667
668
669
670
671
672
673
674
675
676
677
678
679
680
681
682
683
684
685
686
687
688
689
690
691
692
693
694
695
696
697
698
699
700
701
702
703
704
705
706
707
708
709
710
711
712
713
714
715
716
717
718
719
720
721
722
723
724
725
726
727
728
729
730
731
732
733
734
735
736
737
738
739
740
741
742
743
744
745
746
747
748
749
750
751
752
753
754
755
756
757
758
759
760
761
762
763
764
765
766
767
768
769
770
771
772
773
774
775
776
777
778
779
780
781
782
783
784
785
786
787
788
789
790
791
792
793
794
795
796
797
798
799
800
801
802
803
804
805
806
807
808
809
810
811
812
813
814
815
816
817
818
819
820
821
822
823
824
825
826
827
828
829
830
831
832
833
834
835
836
837
838
839
840
841
842
843
844
845
846
847
848

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page.)

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from the reverse side of the page.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme fading or damage to the original manuscript.]

[The following text is highly degraded and largely illegible due to severe blurring and noise.]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥ १ ॥

[illegible]

(Faint handwritten text at the bottom of the page)

[illegible]

21

[illegible]

॥ ५॥

上
卷

175

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

卷之四

[illegible]

158

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly degraded and largely illegible due to severe blurring and noise.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

568

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(Faint handwritten Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.)

[illegible]

(Faint handwritten text at the bottom of the page)

[illegible]

645

Box 47

五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इत्येकं नाम ॥ इति श्रीभक्तिसहितप्रबोधनसंग्रहः समाप्तः ॥

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuation of the Sanskrit manuscript.]

[illegible]

784
[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in dark ink on aged, yellowed paper. It consists of several lines of dense, flowing script, with some words appearing to be in a different language or dialect than others. The handwriting is highly stylized and difficult to decipher without specialized knowledge. The text is organized into a single column, with some lines starting with a small, distinct mark that could be a paragraph indicator or a specific symbol. The overall appearance is that of a well-preserved but challenging-to-read historical record.

[illegible]

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a single column and appears to be a list or a series of entries, possibly related to a legal or administrative record. The script is dense and difficult to decipher without specialized knowledge of the language.

Handwritten text in the right margin, possibly a commentary or a list of names.

Handwritten text in the main body of the page, organized into several lines. The script is a cursive form of an older language, likely Georgian, with some words appearing to be underlined or written in a slightly different style.

...
...
...
...
...
...
...

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a dark ink on aged, slightly discolored paper. The script is dense and flowing, characteristic of early modern handwriting. The text is organized into several lines, with some lines starting with a large initial letter. The overall appearance is that of a formal or official document.

Vertical text on the right margin, possibly a date or a reference number.

189
 190
 191
 192
 193
 194
 195
 196
 197
 198
 199
 200

五
五

109

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a single column and appears to be a list or a series of entries, possibly related to a legal or administrative record. The script is dense and difficult to decipher without specialized knowledge of the language or dialect used.

604

1. የግብርና ሚኒስቴር ለግብርና ሚኒስቴር ለግብርና ሚኒስቴር ለግብርና ሚኒስቴር
 2. የግብርና ሚኒስቴር ለግብርና ሚኒስቴር ለግብርና ሚኒስቴር ለግብርና ሚኒስቴር
 3. የግብርና ሚኒስቴር ለግብርና ሚኒስቴር ለግብርና ሚኒስቴር ለግብርና ሚኒስቴር
 4. የግብርና ሚኒስቴር ለግብርና ሚኒስቴር ለግብርና ሚኒስቴር ለግብርና ሚኒስቴር
 5. የግብርና ሚኒስቴር ለግብርና ሚኒስቴር ለግብርና ሚኒስቴር ለግብርና ሚኒስቴር
 6. የግብርና ሚኒስቴር ለግብርና ሚኒስቴር ለግብርና ሚኒስቴር ለግብርና ሚኒስቴር
 7. የግብርና ሚኒስቴር ለግብርና ሚኒስቴር ለግብርና ሚኒስቴር ለግብርና ሚኒስቴር
 8. የግብርና ሚኒስቴር ለግብርና ሚኒስቴር ለግብርና ሚኒስቴር ለግብርና ሚኒስቴር
 9. የግብርና ሚኒስቴር ለግብርና ሚኒስቴር ለግብርና ሚኒስቴር ለግብርና ሚኒስቴር
 10. የግብርና ሚኒስቴር ለግብርና ሚኒስቴር ለግብርና ሚኒስቴር ለግብርና ሚኒስቴር

[illegible]

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a dark ink on aged paper. The script is dense and fills most of the page. There are some corrections or deletions visible, particularly in the middle section where some words are crossed out. The text appears to be in a historical language, possibly Hebrew or a related Semitic language, given the characters and the style of the script. The document is framed by a simple border.

[illegible]

[The following text is a transcription of the handwritten manuscript page shown above. It contains approximately 10 lines of dense, cursive script in a historical language, likely Hebrew or Arabic.]

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a single column and appears to be a letter or a record. The script is dense and difficult to decipher, but it contains several lines of text. The document is framed by a simple border.

1. *Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript.*
 2. *Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript.*
 3. *Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript.*
 4. *Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript.*
 5. *Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript.*
 6. *Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript.*
 7. *Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript.*
 8. *Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript.*
 9. *Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript.*
 10. *Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript.*

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a single column and appears to be a list or a series of entries, possibly related to a legal or administrative record. The script is dense and difficult to decipher without specialized knowledge of the language.

Vertical text on the right margin, possibly a date or a reference number.

Small handwritten mark or signature.

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or letter. The text is written in a dark ink on aged paper. The script is dense and fills most of the page. There are some corrections or deletions visible, particularly in the lower half of the page. The text appears to be in a historical language, possibly German or Dutch, given the style and the use of certain characters like 'v' and 'w'.

[The following text is extremely faint and illegible due to extreme blurring and low contrast. It appears to be a dense block of handwritten or printed script.]

1300

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a single column and appears to be a list or a series of entries, possibly related to a legal or administrative record. The script is dense and difficult to decipher without specialized knowledge of the language.

[Faint handwritten text, likely bleed-through from the reverse side of the page.]

...
...
...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

蘇軾詩集

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...

...
...
...

[illegible]

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a dark ink on aged, slightly discolored paper. It appears to be a single paragraph or a section of a larger text, enclosed within a simple rectangular border. The script is dense and flowing, characteristic of early modern handwriting. The text is written in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a dark ink on aged, slightly discolored paper. It appears to be a single paragraph or a section of a larger text, enclosed within a simple rectangular border. The script is dense and flowing, characteristic of early modern handwriting.

Vertical text on the right margin, possibly a date or a reference number, written in the same cursive script as the main text.

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines within a rectangular frame. The script is dense and characteristic of early modern European handwriting.

529

16. 10. 17

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a single column and appears to be a continuous passage. The script is dense and characteristic of early modern European handwriting. The document is framed by a simple border.

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a single column and appears to be a letter or a record. The script is dense and difficult to decipher without specialized knowledge of the language.

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a single line across the page, enclosed within a decorative border. The script is dense and difficult to decipher, but appears to be a form of early modern European handwriting.

[The following text is a transcription of the handwritten manuscript page shown in the image above. It consists of approximately 10 lines of dense, cursive handwriting in a historical script, likely from the Middle Ages.]

Handwritten text in a script, likely Indic, enclosed in a rectangular border. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is dense and cursive, with many characters appearing to be variations of a few basic forms. The ink is dark, and the background is a light, aged paper. The text is written in a style that suggests it might be a religious or philosophical treatise, given the nature of the script and the formal presentation.

30

[Faint handwritten text, likely bleed-through from the reverse side of the page.]

五

137

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a single column and appears to be a list or a series of entries, possibly related to a legal or administrative record. The script is dense and difficult to decipher without specialized knowledge of the language or dialect used.

1. የግብርና ሚኒስቴር ለግብርና ሚኒስቴር ማህተም ለግብርና ሚኒስቴር ማህተም
 2. የግብርና ሚኒስቴር ለግብርና ሚኒስቴር ማህተም ለግብርና ሚኒስቴር ማህተም
 3. የግብርና ሚኒስቴር ለግብርና ሚኒስቴር ማህተም ለግብርና ሚኒስቴር ማህተም
 4. የግብርና ሚኒስቴር ለግብርና ሚኒስቴር ማህተም ለግብርና ሚኒስቴር ማህተም
 5. የግብርና ሚኒስቴር ለግብርና ሚኒስቴር ማህተም ለግብርና ሚኒስቴር ማህተም
 6. የግብርና ሚኒስቴር ለግብርና ሚኒስቴር ማህተም ለግብርና ሚኒስቴር ማህተም
 7. የግብርና ሚኒስቴር ለግብርና ሚኒስቴር ማህተም ለግብርና ሚኒስቴር ማህተም
 8. የግብርና ሚኒስቴር ለግብርና ሚኒስቴር ማህተም ለግብርና ሚኒስቴር ማህተም
 9. የግብርና ሚኒስቴር ለግብርና ሚኒስቴር ማህተም ለግብርና ሚኒስቴር ማህተም
 10. የግብርና ሚኒስቴር ለግብርና ሚኒስቴር ማህተም ለግብርና ሚኒስቴር ማህተም

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a single column and appears to be a letter or a record. The script is dense and difficult to decipher without specialized knowledge of the language or dialect. The document is framed by a simple border.

624

[illegible]

卷之四

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a single column and is enclosed within a decorative border. The script is dense and appears to be a form of shorthand or a specific dialect. The text is written in a single column and is enclosed within a decorative border.

93

[The following text is a transcription of the handwritten manuscript page shown in the image above. It is written in a cursive script, likely from the 18th or 19th century.]

[Transcription of the handwritten text follows]

53
2443

79

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a dark ink on aged, slightly discolored paper. It consists of several lines of text, with some words appearing to be in a different script or dialect than others, possibly indicating a mix of languages or a specific regional dialect. The handwriting is fluid and characteristic of the period.

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a single column and appears to be a list or a series of entries. The script is dense and difficult to decipher without specialized knowledge of the language.

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a dark ink on aged, slightly discolored paper. The script is dense and fills most of the page, with some lines appearing to be underlined or separated by horizontal lines. The handwriting is characteristic of early modern European cursive, possibly from the 16th or 17th century. The text is written in a single column, with some words appearing to be in a different script or language, possibly Latin or a Romance language, interspersed with the main body of text. The overall appearance is that of a historical record or a personal letter.

[illegible]

1261-1262 1263-1264 1265-1266 1267-1268 1269-1270 1271-1272 1273-1274 1275-1276 1277-1278 1279-1280
 1281-1282 1283-1284 1285-1286 1287-1288 1289-1290 1291-1292 1293-1294 1295-1296 1297-1298 1299-1300
 1301-1302 1303-1304 1305-1306 1307-1308 1309-1310 1311-1312 1313-1314 1315-1316 1317-1318 1319-1320
 1321-1322 1323-1324 1325-1326 1327-1328 1329-1330 1331-1332 1333-1334 1335-1336 1337-1338 1339-1340
 1341-1342 1343-1344 1345-1346 1347-1348 1349-1350 1351-1352 1353-1354 1355-1356 1357-1358 1359-1360
 1361-1362 1363-1364 1365-1366 1367-1368 1369-1370 1371-1372 1373-1374 1375-1376 1377-1378 1379-1380
 1381-1382 1383-1384 1385-1386 1387-1388 1389-1390 1391-1392 1393-1394 1395-1396 1397-1398 1399-1400

1. *[Illegible handwritten text]*
2. *[Illegible handwritten text]*
3. *[Illegible handwritten text]*
4. *[Illegible handwritten text]*
5. *[Illegible handwritten text]*
6. *[Illegible handwritten text]*
7. *[Illegible handwritten text]*

[Marginal note, illegible]

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a single column and appears to be a list or a series of entries, possibly related to a legal or administrative record. The script is dense and difficult to decipher without specialized knowledge of the language or dialect used.

...
...
...
...
...
...
...

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a single column and appears to be a list or a series of entries, possibly related to a legal or administrative record. The script is dense and difficult to decipher without specialized knowledge of the language.

640

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a single column and appears to be a letter or a record. The script is dense and difficult to decipher without specialized knowledge of the language.

Vertical text on the right margin, possibly a date or a reference number.

[illegible]

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a single column and appears to be a letter or a record. The script is dense and difficult to decipher without specialized knowledge of the language or dialect. The text is written on a piece of aged, slightly discolored paper. The handwriting is consistent throughout the page, suggesting a single scribe. The text is enclosed in a simple rectangular border.

677
12th of the month

[illegible]

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a single column and appears to be a continuous passage. The script is dense and characteristic of early modern European handwriting.

Vertical text on the right margin, possibly a page number or a reference mark.

[Faint, illegible handwritten text in a cursive script, likely from a historical manuscript.]

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a single column and appears to be a continuous passage. The script is dense and characteristic of early modern European handwriting.

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a single column and appears to be a letter or a record. The script is dense and difficult to decipher without specialized knowledge of the language or dialect. The document is aged and shows signs of wear, including discoloration and some fading of the ink.

259

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a single column and is enclosed within a rectangular border. The script is dense and appears to be a form of shorthand or a specific dialect. The document is aged, with visible wear and discoloration.

159

[illegible]

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a single column and appears to be a list or a series of entries, possibly related to a legal or administrative record. The script is dense and difficult to decipher without specialized knowledge of the language.

Handwritten text on the right margin, possibly a date or a reference number.

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a single column and appears to be a list or a series of entries, possibly related to a legal or administrative record. The script is dense and difficult to decipher without specialized knowledge of the language or dialect used.

[illegible]

1892

五

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a single column and appears to be a list or a series of entries, possibly related to a legal or administrative record. The script is dense and difficult to decipher without specialized knowledge of the language.

[illegible]

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a single column and appears to be a list or a series of entries, possibly related to a legal or administrative record. The script is dense and difficult to decipher without specialized knowledge of the language.

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a single column and appears to be a list or a series of entries, possibly related to a legal or administrative record. The script is dense and difficult to decipher without specialized knowledge of the language.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

689

[illegible]

[illegible]

[illegible]

673

[illegible]

(Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

411

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

मन्त्रः सर्वेषां मन्त्रानाम्

संस्कृत-शब्द-कोशः

५३ श्रीगुरुदेवसंगमना

20

पुनः प्रारब्धं जन्म कुरुष्व

འདྲི་རྒྱུ་ལྟེ་གནས་སྐབས་གཙོ་བོ་བརྟན་པ་ནི།

1874

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

同治庚午年九月廿九日

सुखदयः विष्णुः पारः

संलग्नक-१

92

[illegible]

५। मङ्गलश्रीः मङ्गलायै नमः । देवदेवि पतिं वरुणम् । शशिपतिं चन्द्रमासुरादिभ्यः ।

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

卷之四

७. कथं तद्विषयं कथं यदुक्तं तद्विषयं

वैष्णव

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

1998

1870

~~54765909090~~

ཐུག་པའི་ཕ་ཁོ་ལྟ་བུ་

ཕྱི་ལོ་རྒྱུ་པའི་རྒྱལ་པོ་མཆོད་པ།

सुभाषितानि

ॐ ५२ ३३ ५५ ५२ । ५५

མཐོང་པོ་ལ། བཟོ་བཞུགས་

५ । कुल' व' १९८५ च' ग' १४ ।

230

ཕུ་བ་དང་། རྒྱལ་བ་གཉིས་

३॥ १८००॥ ३॥ १८००॥ ३॥

ཐུག་པར་ལྟུང་། རྒྱུ་ལྟུང་།

ཀྱུ་མཆོག་ཞེས་ཅེས་པའི་པར་ཏུ།

५१। गङ्गायाम् ।

இவ்வுள்ளியை

१/५/३० ५५०२

[illegible]

(Faint handwritten text, likely bleed-through from the reverse side)

(Faint handwritten text at the bottom of the page)

[illegible]

[illegible]

689

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

५७
 ५८
 ५९
 ६०
 ६१
 ६२
 ६३
 ६४
 ६५
 ६६
 ६७
 ६८
 ६९
 ७०
 ७१
 ७२
 ७३
 ७४
 ७५
 ७६
 ७७
 ७८
 ७९
 ८०
 ८१
 ८२
 ८३
 ८४
 ८५
 ८६
 ८७
 ८८
 ८९
 ९०
 ९१
 ९२
 ९३
 ९४
 ९५
 ९६
 ९७
 ९८
 ९९
 १००

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

36

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

१८ पंक्तः शुभापदेन विष्णुसंज्ञायाः प्रथमा ॥ १८ पंक्तः ॥ २० पंक्तः ॥ २१ पंक्तः ॥ २२ पंक्तः ॥ २३ पंक्तः ॥ २४ पंक्तः ॥ २५ पंक्तः ॥ २६ पंक्तः ॥ २७ पंक्तः ॥ २८ पंक्तः ॥ २९ पंक्तः ॥ ३० पंक्तः ॥ ३१ पंक्तः ॥ ३२ पंक्तः ॥ ३३ पंक्तः ॥ ३४ पंक्तः ॥ ३५ पंक्तः ॥ ३६ पंक्तः ॥ ३७ पंक्तः ॥ ३८ पंक्तः ॥ ३९ पंक्तः ॥ ४० पंक्तः ॥ ४१ पंक्तः ॥ ४२ पंक्तः ॥ ४३ पंक्तः ॥ ४४ पंक्तः ॥ ४५ पंक्तः ॥ ४६ पंक्तः ॥ ४७ पंक्तः ॥ ४८ पंक्तः ॥ ४९ पंक्तः ॥ ५० पंक्तः ॥ ५१ पंक्तः ॥ ५२ पंक्तः ॥ ५३ पंक्तः ॥ ५४ पंक्तः ॥ ५५ पंक्तः ॥ ५६ पंक्तः ॥ ५७ पंक्तः ॥ ५८ पंक्तः ॥ ५९ पंक्तः ॥ ६० पंक्तः ॥ ६१ पंक्तः ॥ ६२ पंक्तः ॥ ६३ पंक्तः ॥ ६४ पंक्तः ॥ ६५ पंक्तः ॥ ६६ पंक्तः ॥ ६७ पंक्तः ॥ ६८ पंक्तः ॥ ६९ पंक्तः ॥ ७० पंक्तः ॥ ७१ पंक्तः ॥ ७२ पंक्तः ॥ ७३ पंक्तः ॥ ७४ पंक्तः ॥ ७५ पंक्तः ॥ ७६ पंक्तः ॥ ७७ पंक्तः ॥ ७८ पंक्तः ॥ ७९ पंक्तः ॥ ८० पंक्तः ॥ ८१ पंक्तः ॥ ८२ पंक्तः ॥ ८३ पंक्तः ॥ ८४ पंक्तः ॥ ८५ पंक्तः ॥ ८६ पंक्तः ॥ ८७ पंक्तः ॥ ८८ पंक्तः ॥ ८९ पंक्तः ॥ ९० पंक्तः ॥ ९१ पंक्तः ॥ ९२ पंक्तः ॥ ९३ पंक्तः ॥ ९४ पंक्तः ॥ ९५ पंक्तः ॥ ९६ पंक्तः ॥ ९७ पंक्तः ॥ ९८ पंक्तः ॥ ९९ पंक्तः ॥ १०० पंक्तः ॥

[illegible]

[Faint handwritten Devanagari script]

[The text in this block is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side.]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuation of the Sanskrit manuscript.]

[illegible]

90
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
 नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
 नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
 नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
 नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[The following text is highly faded and mostly illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuation of a handwritten manuscript.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and largely illegible due to fading or damage. It appears to consist of several lines of handwritten script.]

[illegible]

四庫全書

[illegible]



५२३

ॐ। विष्णुसहस्रनामस्तोत्रेण विष्णुसहस्रनामस्तोत्रेण विष्णुसहस्रनामस्तोत्रेण विष्णुसहस्रनामस्तोत्रेण

齊魯

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

18

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the manuscript page.]

[illegible]

[illegible]



॥ अथ विष्णुसहस्रनाम ॥

RECEIVED

1. *Phragmites australis* (Cav.) Trin. ex Steud.

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from another page.]

[illegible]

[illegible]

29

此後即無

संस्कृत-भाषा-विभाग

५३६२४५३३

36 17
52H 5750

$$202 - 276 = -74$$

1. The first step is to identify the problem or question that needs to be answered. This involves understanding the context and the specific requirements of the task.

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

三、

Y. C. 004349 5/10/07

गङ्गाधरपात्र

17

1877

—

३५॥ यथा यथा सुखं तथैव भवेत् ॥

1872-1873

इति प्रमाणं तद्वत्, अथवा प्रमाणं तद्वत्

१२३४५६७८९१०१११२१३१४१५१६१७१८१९२०२१२२२३२४२५२६२७२८२९३०३१३२३३३४३५३६३७३८३९४०४१४२४३४४४५४६४७४८४९५०५१५२५३५४५५५६५७५८५९६०६१६२६३६४६५६६६७६८६९७०७१७२७३७४७५७६७७७८७९८०८१८२८३८४८५८६८७८८८९९०९१९२९३९४९५९६९७९८९९

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

1875

1895-1896

... 26. 11. 1917 ...

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

RECEIVED JAN 10 1961

[illegible]

[Illegible handwritten text]

३०६ ॥ ३०७ ॥ ३०८ ॥ ३०९ ॥ ३१० ॥

卷之四
 四庫全書

1. EDUCATION

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

91

[Faint bleed-through from the reverse side of the page]

[Faint handwritten notes at the bottom of the page]

和歌山縣 和歌山縣 和歌山縣

生於五十七年

...

1894

...
...
...

大正四年五月廿四日

[Faint bleed-through from the reverse side of the page]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

221

[illegible]

[illegible]

22

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

221

ལྷན་སྐྱེལ་གྱི་ལོ་རྒྱུས་ཀྱི་ལོ་རྒྱུས་

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

१५
 १६
 १७
 १८
 १९
 २०
 २१
 २२
 २३
 २४
 २५
 २६
 २७
 २८
 २९
 ३०
 ३१
 ३२
 ३३
 ३४
 ३५
 ३६
 ३७
 ३८
 ३९
 ४०
 ४१
 ४२
 ४३
 ४४
 ४५
 ४६
 ४७
 ४८
 ४९
 ५०
 ५१
 ५२
 ५३
 ५४
 ५५
 ५६
 ५७
 ५८
 ५९
 ६०
 ६१
 ६२
 ६३
 ६४
 ६५
 ६६
 ६७
 ६८
 ६९
 ७०
 ७१
 ७२
 ७३
 ७४
 ७५
 ७६
 ७७
 ७८
 ७९
 ८०
 ८१
 ८२
 ८३
 ८४
 ८५
 ८६
 ८७
 ८८
 ८९
 ९०
 ९१
 ९२
 ९३
 ९४
 ९५
 ९६
 ९७
 ९८
 ९९
 १००

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

一、

(Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

221

[illegible]

Handwritten text in a historical script, likely Tibetan, arranged in approximately 10 horizontal lines. The text is written in dark ink on aged, slightly discolored paper. The script is dense and appears to be a form of classical or religious writing. The lines are roughly parallel, with some variations in spacing and alignment. The overall appearance is that of a manuscript page from an older volume.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuation of the Sanskrit manuscript.)

24

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[Faint, illegible handwritten text across the bottom of the page.]

[illegible]

[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side.]

1054

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ देवप्रिया यथाशक्त्या यथा
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥ देवप्रिया यथाशक्त्या यथा
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥ देवप्रिया यथाशक्त्या यथा
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥ देवप्रिया यथाशक्त्या यथा
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥ देवप्रिया यथाशक्त्या यथा
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥ देवप्रिया यथाशक्त्या यथा
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥ देवप्रिया यथाशक्त्या यथा
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥ देवप्रिया यथाशक्त्या यथा
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥ देवप्रिया यथाशक्त्या यथा
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥ देवप्रिया यथाशक्त्या यथा

[illegible]

[illegible]

3

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

25

245

[illegible]

286

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible][illegible]

790

उपायेकु दग्निपेवद्वयमेवमरसस्य वद्वयपेपुस्य सुपदे ० ह्यपपदयेवेतपरेपुपयवसपसुवपरेमेससुपपदुगपपसुपुदहेकपेदवेगतापुपपेवत। येअकेवसुपादवपपेकुदग्निपेवद्वयमेव
पेपुस्य वद्वयपेपुस्य सुपदे ० ह्यपपदयेवेतपरेपुपयवसपसुवपरेमेससुपपदुगपपसुपुदहेकपेदवेगतापुपपेवत। येअकेवसुपादवपपेकुदग्निपेवद्वयमेव
यकवदेपु कपवसपेपुस्य सुपदे ० ह्यपपदयेवेतपरेपुपयवसपसुवपरेमेससुपपदुगपपसुपुदहेकपेदवेगतापुपपेवत। येअकेवसुपादवपपेकुदग्निपेवद्वयमेव
सोअसपुपुववस्य वेवसपपेपुस्य सुपदे ० ह्यपपदयेवेतपरेपुपयवसपसुवपरेमेससुपपदुगपपसुपुदहेकपेदवेगतापुपपेवत। येअकेवसुपादवपपेकुदग्निपेवद्वयमेव
वेवसपपुपुववस्य वेवसपपेपुस्य सुपदे ० ह्यपपदयेवेतपरेपुपयवसपसुवपरेमेससुपपदुगपपसुपुदहेकपेदवेगतापुपपेवत। येअकेवसुपादवपपेकुदग्निपेवद्वयमेव
पपुपुववस्य वेवसपपेपुस्य सुपदे ० ह्यपपदयेवेतपरेपुपयवसपसुवपरेमेससुपपदुगपपसुपुदहेकपेदवेगतापुपपेवत। येअकेवसुपादवपपेकुदग्निपेवद्वयमेव

1692

[illegible]

[illegible]

ॐ नमः शिवाय ॥ इति श्रीशिवसंनिधौ ॥ इति श्रीशिवसंनिधौ ॥ इति श्रीशिवसंनिधौ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

19

[illegible][illegible]

१४८
 १४९
 १५०
 १५१
 १५२
 १५३
 १५४
 १५५
 १५६
 १५७
 १५८
 १५९
 १६०
 १६१
 १६२
 १६३
 १६४
 १६५
 १६६
 १६७
 १६८
 १६९
 १७०
 १७१
 १७२
 १७३
 १७४
 १७५
 १७६
 १७७
 १७८
 १७९
 १८०
 १८१
 १८२
 १८३
 १८४
 १८५
 १८६
 १८७
 १८८
 १८९
 १९०
 १९१
 १९२
 १९३
 १९४
 १९५
 १९६
 १९७
 १९८
 १९९
 २००

[illegible]

21

1240 60

6. 5. 1941

五、

[illegible]

415

ICNIG

1998, 1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 2679, 26

This image shows a blank, aged, cream-colored page, likely an endpaper or flyleaf of a book. The paper has a slightly textured appearance with some faint smudges and discoloration, characteristic of old paper. The left edge of the page shows the binding structure, including what appears to be stitching or staples. There is no text or other markings on the page.

100

100

100

100

(Faint handwritten Devanagari script)

अथारण्येनैवैतन्मुद्रयति तद्वत्तु अथारण्येनैवैतन्मुद्रयति तद्वत्तु अथारण्येनैवैतन्मुद्रयति तद्वत्तु
 अथारण्येनैवैतन्मुद्रयति तद्वत्तु अथारण्येनैवैतन्मुद्रयति तद्वत्तु अथारण्येनैवैतन्मुद्रयति तद्वत्तु
 अथारण्येनैवैतन्मुद्रयति तद्वत्तु अथारण्येनैवैतन्मुद्रयति तद्वत्तु अथारण्येनैवैतन्मुद्रयति तद्वत्तु
 अथारण्येनैवैतन्मुद्रयति तद्वत्तु अथारण्येनैवैतन्मुद्रयति तद्वत्तु अथारण्येनैवैतन्मुद्रयति तद्वत्तु

803

803

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम्

卷之四

[illegible]

१०४
 १०५
 १०६
 १०७
 १०८
 १०९
 ११०
 १११
 ११२
 ११३
 ११४
 ११५
 ११६
 ११७
 ११८
 ११९
 १२०
 १२१
 १२२
 १२३
 १२४
 १२५
 १२६
 १२७
 १२८
 १२९
 १३०
 १३१
 १३२
 १३३
 १३४
 १३५
 १३६
 १३७
 १३८
 १३९
 १४०
 १४१
 १४२
 १४३
 १४४
 १४५
 १४६
 १४७
 १४८
 १४९
 १५०
 १५१
 १५२
 १५३
 १५४
 १५५
 १५६
 १५७
 १५८
 १५९
 १६०
 १६१
 १६२
 १६३
 १६४
 १६५
 १६६
 १६७
 १६८
 १६९
 १७०
 १७१
 १७२
 १७३
 १७४
 १७५
 १७६
 १७७
 १७८
 १७९
 १८०
 १८१
 १८२
 १८३
 १८४
 १८५
 १८६
 १८७
 १८८
 १८९
 १९०
 १९१
 १९२
 १९३
 १९४
 १९५
 १९६
 १९७
 १९८
 १९९
 २००

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

~~Handwritten text in Devanagari script, mostly illegible due to fading and bleed-through from the reverse side.~~

[illegible]

[illegible]

[illegible]

618

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

[illegible]

1890

22 1/2

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

3

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

यस्यदस्यदोदुप

परम-मिथ्यात्वः

पञ्चमः

॥ अथ कुर्यात् ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादाः । अध्यायो दशमः । कुरुक्षेत्रे युद्धम् ।

[illegible]

842

[illegible]

[illegible]

100

[illegible]

(Faint handwritten Devanagari script)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

35

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ॥ द्रुपद उवाच ॥ १ ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
 मामकाः पांडवाश्चैव किमकुर्वत सदा ॥
 २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥
 ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥
 १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥
 २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥
 ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥
 ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥
 ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥
 ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥
 ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥
 ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥
 ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to contain several lines of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

105

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible][illegible]

[Faint handwritten text across the bottom of the page]

॥ यथा वैष्णवो विष्णुं यथा शैवो शिवं यथा बौद्धो बुद्धं यथा जैनो महाश्वरं यथा साक्षात्कृतं तथैव यथा साक्षात्कृतं तथैव ॥

ལོ་གསུམ་པ་བཞད་དང་རྒྱ་ཆེན་པོ་གསུམ་བཞད་དང་ཕྱི་ལོ་གསུམ་བཞད་དང་། དཀར་པོ་འོ་ཁྲི་ལྷ་ཡི་ཐུག་པའི་ལོ་ཆེན་དེ་དང་། སྤྱི་ལོ་གསུམ་བཞད་དང་ལོ་ཆེན་དེ་དང་། རྒྱ་ཆེན་པོ་གསུམ་བཞད་དང་། སྤྱི་ལོ་གསུམ་བཞད་དང་།

[illegible]

[illegible]

[illegible]

१७७

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is highly stylized Tibetan script, likely from a manuscript fragment.)

[illegible]

910

[illegible]

[The following text is highly faded and largely illegible due to extreme fading and bleed-through from the reverse side of the manuscript page.]

813

一

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

27

卷之四

[illegible]

926

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीमद्भगवद्गीतासूपनिषत्सु । अर्जुनसंवादे । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत साज्जय । ॥ १ ॥
अथ द्रुपद उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत साज्जय । ॥ २ ॥
अथ भीमार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच । पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः । ॥ ३ ॥
अथ भीमार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच । पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः । ॥ ४ ॥
अथ भीमार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच । पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः । ॥ ५ ॥
अथ भीमार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच । पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः । ॥ ६ ॥
अथ भीमार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच । पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः । ॥ ७ ॥
अथ भीमार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच । पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः । ॥ ८ ॥
अथ भीमार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच । पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः । ॥ ९ ॥
अथ भीमार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच । पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः । ॥ १० ॥

837

32

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥ १ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सन्महर्षि ॥ १ ॥ ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

17

[illegible]

